सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

जिद...सच की

● वर्ष: 9 ● अंक: 124 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 10 जून, 2023

मूल्य ₹ 3/-

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में यह सोच विकसित कर देता है कि वो असफल नहीं हो सकते।

-बिल गेट्स

केसीआर ने पेंशन में की वृद्धि की... 2 | छोटे दलों का बिखराव, बड़े जमाते... 3 | किसानों को जहां फायदा हो वहां... 7

शरद पवार का बड़ा सियासी दांव

बेटी सुप्रिया सुले को बनाया पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष

» प्रफुल्ल पटेल को भी मिली कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी

» अजित पवार को बड़ा झटका, भूमिका को लेकर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पिछले कुछ महीनों से महाराष्ट्र की राजनीति में लगातार सियासी उठापटक देखने को मिल रही है। अब आज प्रदेश में एक और बड़ा सियासी बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने पार्टी के अंदर एक बड़ा सियासी दांव चला है। पवार ने पार्टी में फेरबदल करते हुए अपनी बेटी सुप्रिया सुले को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। हालांकि, सुप्रिया के अलावा पार्टी के सीनियर नेता प्रफुल्ल पटेल को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। एनसीपी में हुए इस बदलाव को 2024 के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले जहां शरद पवार का एक बड़ा कदम माना जा रहा है, तो वहीं अजित पवार के लिए ये बदलाव एक बड़ा झटका है। क्योंकि माना जा रहा था कि अजित पवार पार्टी का अध्यक्ष बनना चाहते थे। लेकिन फिलहाल अब शरद पवान ने अपने इस कदम से भतीजे अजित को तगड़ा झटका दिया है।

> "मुझे और प्रफुल्लभाई पटेल को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया है। मैं इसके लिए पार्टी संगठन का हृदय से आभारी हूं। पार्टी द्वारा मुझ पर जताए गए भरोसे को सही साबित करने के लिए मैं संकल्पित हूं। इस जिम्मेदारी के लिए एक बार फिर पवार साहब, पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद।"
>
> सुप्रिया सुले, कार्यकारी अध्यक्ष

सुप्रिया को हरियाणा और पंजाब की भी जिम्मेदारी

आज एनसीपी का 25 वां स्थापना दिवस भी है। इसी मौके पर पार्टी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि एनसीपी को मजबूत करने के लिए हम सब लोगों को काम करना पड़ेगा। प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले को वर्किंग कमेटी का प्रेसिडेंट बनाने का निर्णय लिया जा रहा है। सुप्रिया सुले को हरियाणा और पंजाब की जिम्मेदारी भी दी गई है। इससे पहले माना जा रहा था कि एनसीपी के अंदर दो खेमे हैं। एक खेमा का मानना था कि बीजेपी के साथ सरकार बनानी चाहिए। दूसरी खेमा इस बात से सहमत नहीं था। अब पार्टी ने दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर सभी वर्गों को साधने की एक कोशिश की है।

महाराष्ट्र संभालेंगे अजित पवार

इस फैसले के बाद से अजित पवार की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, महाराष्ट्र में वो पार्टी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यही वजह है कि नए पदाधिकारियों को महाराष्ट्र में कोई भूमिका नहीं दी गई है। आने वाले दिनों में अगर राज्य में एनसीपी सत्ता में आती है तो अजित को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, पार्टी के इस निर्णय से अजित पवार नाराज नहीं हैं।

किसे मिली क्या जिम्मेदारी

- **सुप्रिया सुले**- कार्यकारी अध्यक्ष, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, महिला युवा, केंद्रीय चुनाव समिति की प्रमुख, लोकसभा समन्वय की जिम्मेदारी।
- **प्रफुल्ल पटेल**- कार्यकारी अध्यक्ष, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा की जिम्मेदारी।
- **सुनील तटकरे**- राष्ट्रीय महासचिव, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, किसान, अल्पसंख्यक विभाग के बने प्रभारी।
- **नंदा शास्त्री**- दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष,
- **फैसल**- तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल की जिम्मेदारी।

महापंचायत में फैसला, सरकार को 15 जून तक का अल्टीमेटम

» गिरफ्तारी नहीं तो 15 जून के बाद फिर करेंगे आंदोलन

» पहलवानों ने कहा- सरकार बृजभूषण की गिरफ्तारी पर तैयार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत। भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे पहलवानों के समर्थन में आज हरियाणा के सोनीपत में एक महापंचायत हुई। जिसमें खाप के सदस्य व किसान संगठन उपस्थित रहे। महापंचायत में ये फैसला लिया गया कि अगर 15 जून तक सरकार बृजभूषण पर कोई फैसला नहीं लेती है तो आगे की रणनीति तय की जाएगी। अगर गिरफ्तारी नहीं हुई तो 15 जून के बाद फिर आंदोलन करेंगे

पंचायत में पहलवानों की तरफ से साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया ने भाग लिया।

हम सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे हैं : साक्षी

पंचायत में पहलवानों की ओर से पहुंची साक्षी मलिक ने कहा कि बृजभूषण सिंह बाहर रहेगा तो डर का माहौल बना रहेगा। हमें लोगों का समर्थन मिल रहा है। हम सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं बजरंग पुनिया ने महापंचायत में कहा कि ये बहन बेटियों के मान सम्मान की बात है। इस आंदोलन में दिल से लगे हुए हैं। कोई राजनीति नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुद्दे पर बात हो। पुनिया ने कहा कि 15 जून तक समाधान नहीं निकला, तो वो फिर से जंतर मंतर पर धरना देंगे।

खाप प्रतिनिधियों को दी गृहमंत्री और खेलमंत्री से हुई बैठक की जानकारी

इससे पहले महापंचायत में भाग लेने पहुंचे बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने खाप प्रतिनिधियों को गृह मंत्री अमित शाह और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मीटिंग के बारे में बताया। पहलवानों ने साफ कहा कि सरकार बृजभूषण की गिरफ्तारी के लिए तैयार नहीं है। इस दौरान बजरंग पूनिया ने बैठक में अपने समर्थकों के बीच सरकार के साथ हुई बातचीत का पूरा लेखा-जोखा रखा।

गीता फोगाट के पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट ने बृजभूषण पर लगाए आरोप

इस मामले में अब दंगल गर्ल गीता फोगाट के पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट परमजीत ने बृजभूषण पर नए खुलासे किए हैं। जिसमें दावा किया कि लड़कियों को रात में बृजभूषण की सिक्योरिटी वाली गाड़ियों में बाहर ले जाया जाता था। परमजीत ने कहा कि मैंने चीफ कोच कुलदीप मलिक और कमल सेन को कहा कि रात में बच्चे कहीं बाहर जाते हैं, इनको देखा जाना चाहिए। ये सब लिखित में चीफ कोच कुलदीप मलिक और दूसरे सीनियर अफसरों को दिया। कई बार मीडिया से भी साझा करने की कोशिश की, लेकिन मेरी बात को दबा दिया गया। फिजियोथैरेपिस्ट ने बताया कि मैंने इस बारे में रात को बाहर जाने वाली लड़कियों से भी बात की। लड़कियों ने कहा कि इसके अलावा उनके पास कोई दूसरा चारा नहीं है।

जनता को असुरों से बचाने के लिए प्रार्थना करने आए हैं : अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने नैमिषारण्य में माथा टेककर भाजपा सरकार पर कसा तंज

» बोले-जो किसी की भक्ति पर सवाल उठाए वो अधर्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को नैमिषारण्य में ललिता देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। साथ ही कहा कि आज के असुरों से जनमानस को बचाने के लिए हम यहां प्रार्थना करने आए हैं। लोकसभा चुनाव में असली मुद्दा आरक्षण और जातीय जनगणना ही रहेगा। लेकिन, बूथ और मतदाता सूची पर भी नजर रखना है।

लोकसभा चुनाव से पहले सपा अपने कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर रही है। पार्टी के लिए इनका महत्व इससे आंका जा सकता है कि यह आयोजन स्थानीय हैं, पर इनमें अखिलेश यादव समेत सभी वरिष्ठ नेता हिस्सा ले रहे हैं। नैमिषारण्य में शुक्रवार को प्रारंभ हुए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए अखिलेश ने शाम को पहुंचे। चक्र तीर्थ पर आचमन करने के बाद विधि-विधान से ललिता देवी मंदिर में पूजा की। उन्होंने कहा कि असुर वही, जो अत्याचार करे। असुरों का नाश करने वाली धरती नैमिषारण्य आने पर आज के असुर दुष्प्रचार करेंगे। अखिलेश ने कहा कि जो किसी की भक्ति पर सवाल उठाए वो अधर्मी हैं। यहां आकर अखिलेश ने एक संदेश देने की कोशिश भी की कि हिंदू रीति-रिवाजों में उनकी श्रद्धा किसी अन्य से कम नहीं। इसको लेकर किसी तरह के कुप्रचार में न फंसने की अपील भी अवाम से की।

विधानसभा चुनाव में सपा ने मतदाता सूची से उसके मतदाताओं के नाम काटे जाने का आरोप लगाया था। प्रशिक्षण शिविर में फोकस इसी पर रहा कि अबकी ऐसा न होने पाए। साथ ही बूथ पर इतने मजबूत बनने का संदेश दिया गया कि कोई भी वोट डालने से सपा समर्थक मतदाताओं को न रोक सके। जहां हिंदुओं के लिए अत्यधिक महत्व के नैमिषारण्य में आयोजन करके संदेश देने का प्रयास किया गया, वहीं आरक्षण के मुद्दे पर भी जोर रहा। भाजपा सरकार पर आरोप लगाया गया कि वह पिछड़ों के आरक्षण को समाप्त करने की साजिश कर रही है।

असुरों के संरक्षक से प्रमाण पत्र की नहीं आवश्यकता : भूपेंद्र

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में माफिया, अपराधी और आंतकी रूपी असुरों के संरक्षक रहे लोगों से भाजपा को किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि माफियाओं, अपराधियों और आंतकियों को संरक्षण देने वालों को भाजपा सरकार का सुशासन रास नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही हार से हताश विपक्ष मुंगेरीलाल के सपने देख रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सब जानती है कौन राजधर्म को निभा रहा है और किसने हमेशा अधर्म की राह पर चलते हुए प्रदेश को तुष्टिकरण की आग में झोंक कर जंगल राज बनाया था। इसलिए जनता ने 2014 से लेकर 2023 तक के आसुरी शक्तियों से उत्तर प्रदेश को मुक्त रख भाजपा को अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवाद के नाम पर परिवारवादी दल चलाने वाले लोगो का सच जनता अच्छे से समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर से भाजपा को अपना वोट देकर केंद्र में भाजपा सरकार की हैट्रिक बनाने का मार्ग सुनिश्चित करेगी।

संजय राउत का दावा: शाह ने शिंदे से चार मंत्रियों को हटाने को कहा

» बोले-प्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राज्य में जल्द होगा राजनीतिक विस्फोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके नेतृत्व वाली शिवसेना के चार प्रमुख मंत्रियों को राज्य कैबिनेट से हटाने के लिए कहा है। राउत ने शुक्रवार को कहा कि प्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर जल्द राज्य में राजनीतिक विस्फोट होगा।

उन्होंने कहा कि अमित शाह ने कैबिनेट में बदलाव के लिए मुख्यमंत्री को कुछ निर्देश दिए हैं। कैबिनेट विस्तार में अगर ऐसा होता है, जहां तक मेरी जानकारी में है... शाह ने निर्देश दिया है कि शिंदे गुट के प्रमुख चार मंत्रियों को हटा दिया जाए। राउत के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि उनका दावा दूसरे के मामलों में बेवजह दखल देने जैसा है। इधर, महाराष्ट्र की कल्याण लोकसभा सीट पर शिवसेना और भाजपा में तनाव के बीच क्षेत्र के सांसद श्रीकांत शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि वह गठबंधन की मजबूती के लिए इस्तीफा देने को तैयार हैं। सीएम के बेटे श्रीकांत ने एक बयान में कहा कि वह चाहते हैं कि 2024 में केंद्र में फिर से एनडीए की सरकार बने।

चीन को लेकर केंद्र पर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, बोले- रणनीतिक रूप से किया जाए मुकाबला

» उत्तराखंड में एलएसी पर चीनी सैन्य निर्माण हमारी क्षेत्रीय अखंडता को कर रहा प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को उत्तराखंड में एलएसी पर चीनी सैन्य निर्माण की खबरों पर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मांग की कि चीन से खोखले घमंड से नहीं अपितु रणनीतिक रूप से मुकाबला किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की देश भारी कीमत चुका रहा है।

उत्तराखंड में एलएसी के सहारे किए जा रहे चीनी निर्माण के सैटेलाइट चित्रों को साझा करते हुए खरगे ने ट्विटर पर कहा, अब उत्तराखंड में एलएसी पर दुस्साहसी चीनी सैन्य निर्माण हमारी क्षेत्रीय अखंडता को प्रभावित कर रहा है। चीन का सामना रणनीतिक रूप से एक साथ होना चाहिए, न कि खोखला दावा करके। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2020 में चीन को मोदी की ओर से 'क्लीन चिट' देना बहुत खतरनाक साबित हुआ और 1,500 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर चीन के नियंत्रण पर चुप्पी राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर उनकी पूरी विफलता दर्शाती है। गौरतलब है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल में कहा था कि चीन ने हमारे क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। यह एक स्वीकृत तथ्य है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि निर्माण उत्तरकाशी जिले के पुलम सुमदा से महज 40 किमी दूर तक पहुंच गया है। भारत ने गुरुवार को बीजिंग को साफ संदेश देकर कहा कि पूर्वी लद्दाख की सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं होने तक चीन से सामान्य संबंध करने की अपेक्षा निराधार है।

चीन के साथ कुछ साल से हमारे संबंध आगे नहीं बढ़ेः विदेश मंत्री

मोदी सरकार की विदेश नीति पर विशेष मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि चीन एकमात्र देश है, जिसके साथ पिछले कुछ साल में हमारे संबंध आगे नहीं बढ़े हैं। इसका प्रमुख कारण चीन द्वारा 2020 में हुए सीमा समझौता का उल्लंघन करना एवं सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात करना है।

कड़वाहट पैदा होती है तो खुशी से अलग हो जाएंगे : दुष्यंत चौटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। जेजेपी और बीजेपी के लिए गठबंधन मजबूरी नहीं है। हरियाणा को विकास की राह पर लेकर चलना दोनों पार्टियों का कर्तव्य है। न ही बीजेपी अपनी जिम्मेवारी से पीछे हट सकती और न ही जेजेपी। यह बात उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने जिला विकास भवन के सभागार में पत्रकारों से बातचीत में कही।

हालांकि उन्होंने सूरजखुखी पर किसानों पर कुरुक्षेत्र में हुए लाठीचार्ज, जजपा विधायक रामकरण काला के चेयरमैन पद से इस्तीफा देने के मामले में चुप्पी साध ली और कोई जवाब नहीं दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को स्थिरता व स्थिर सरकार देने के लिए गठबंधन किया था। अब गठबंधन अच्छे से चल रहा है और आगे भी इसी तरह चलता रहेगा। हमारी तो इच्छा यही है कि दोनों पार्टियां एक साथ मिलकर चुनाव लड़ें। लेकिन आने वाले समय में तय होगा कि दोनों पार्टियां मिलकर क्या निर्णय लेती हैं।

केसीआर ने पेंशन में की वृद्धि की घोषणा

» शारीरिक रूप से विकलांग पेंशन में 1000 रुपए की बढ़ोत्तरी का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेंलगाना। तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने 9 जून को शारीरिक रूप से विकलांग पेंशन में वृद्धि की घोषणा की। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के पेंशन में 1000 रुपये की वृद्धि की गई है। मनचेरियल जनसभा में सीएम केसीआर ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि पेंशन में वृद्धि के साथ ही अब शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को प्रति माह 4116 रुपये दिए जाएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार कल्याण के लिए है, जिसका उद्देश्य राज्य में सभी खनिज भंडारों में सिंगरेनी कोयला खनन गतिविधि का विस्तार करना है। सीएम ने कोयला खनन में हो रही वृद्धि को लेकर जानकारी दी कि एससीसीएल के तहत खनन इकाई लाभ के साथ आगे बढ़ रही है और कंपनी को इस वर्ष 2164 करोड़ का मुनाफा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 300 अरब टन कोयले का उत्पादन ताप बिजली क्षेत्र को बिजली आपूर्ति के मोर्चे पर चुनौती का सामना करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस का लक्ष्य देश में बिजली आपूर्ति प्रणाली को एक सकारात्मक बिंदु बनाना है और हम थर्मल पावर को देश की जरूरतों को पूरा करने के इच्छुक हैं। सिंगरेनी कोयला खदानों के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी पार्टियां अपने निहित स्वार्थों के लिए कोलियरियों को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ कांग्रेस ने केंद्र को कंपनी का 49 प्रतिशत हिस्सा बेच दिया है, वहीं भाजपा निजीकरण मोड पर विचार करके इसे और गिराने की कोशिश कर रही है।

विपक्षियों के झूठे वादों का शिकार न हो जनता

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने दलित बंधु, बीसी कल्याण कार्यक्रम, कारीगरों के लिए बीसी कल्याण कार्यक्रम, भेड़ पालन योजना दूसरे चरण जैसे कल्याण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बात की। साथ ही लोगों को आगाह किया कि वे पार्टियों के झूठे वादों और झूठे वादों का शिकार न हों।

छोटे दलों का बिखराव, बड़े जमाते हैं पांव

क्षेत्रीय पार्टियों के उभार से बड़े दलों का खिसकता है आधार

- 2019 में 37.8 प्रतिशत वोट लेकर भी नहीं मिली सत्ता
- 37.36 प्रतिशत मत से हुई थी भाजपा की वापसी
- कांग्रेस की मजबूती, अन्य दलों की एकजुटता से 24 में दिखेगा नया रंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2019 में बिखरी छोटी पार्टियों का पूरा लाभ भाजपा ने उठाया था। उस समय उनके पास कुल 37.8 प्रतिशत वोट थे पर बीजेपी 37.36 प्रतिशत वोट लेकर सत्ता में वापसी कर गई थी। इसबार जिस तरह स`विपक्ष एकजुट होने की कोशिश कर रहा है अगर वह एकजुट हो गया तो 2024 की राह मोदी के लिए आसान नहीं होगी। पिछले चुनाव में कांग्रेस भी कमजोर थी पर भारत जोड़ों यात्रा व पिछले कुछ महीनों में राहुल गांधी की मेहनत की वजह से वह धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। कर्नाटक चुनाव से पहले क्षेत्रीय पार्टियों की ताकत ऐसी थी कि बड़े-बड़े राजनीतिक दल उनसे घबराते थे। पर चुनाव के परिणाम आने के बाद से जैसे ही वहां की सत्ता जैसे ही कांग्रेस के हाथ में आई इन क्षेत्रीय दलों के सुर बदल गए।

वे अब खुलकर कांग्रेस व राहुल की तारीफ कसीदे पढ़ रहै। ज्ञात हो 2024 का लोकसभा चुनाव जहां बड़े दलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, वहीं कई छोटी पार्टियों के लिए यह आस्तित्व बचाने की लड़ाई है, क्षेत्रीयता की जंग में उपजी छोटी पार्टियां 90 के दशक में सरकार गिराने और बनाने में बड़ी भूमिका निभाती थी। राष्ट्रपति-राष्ट्रपति के चुनाव में भी इन्हीं दलों का दबदबा होता था। 2014 के बाद केंद्र समेत कई राज्यों से छोटी पार्टियों का दखल खत्म होता गया। 90 के दशक में छोटी पार्टियां करीब 20 राज्यों की राजनीति को प्रभावित करती थी। इनमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे बड़े राज्य शामिल थे।

कर्नाटक में जेडीएस को भारी नुकसान

बीजेपी-कांग्रेस का चुनावी स्ट्राइक रेट और आमने-सामने की लड़ाई ने छोटी पार्टियों को काफी नुकसान पहुंचाया। हाल ही में कर्नाटक में कांग्रेस और बीजेपी की सीधी लड़ाई में जेडीएस को भारी नुकसान हुआ। जेडीएस ही नहीं, कांग्रेस और बीजेपी के चुनावी स्ट्राइक रेट बढ़ने से कई छोटी पार्टियों का सियासी रसूख खत्म होने की कगार पर है। चुनाव आयोग के मुताबिक वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर की 6 और करीब राज्य स्तर की 55 पार्टियां प्रभाव में है।

मंडल-कमंडल और क्षेत्रीय दलों का उभार

भारत में आजादी से पहले भी कई छोटी पार्टियों का गठन हो चुका था, लेकिन 70 के आसपास इसमें बड़े स्तर पर बढ़ोतरी हुई, तमिलनाडु में द्रविड़ की लड़ाई में पहले डीएमके और फिर एआईएडीमके का गठन हुआ, इसी तरह आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव ने तेलगु देशम नामक पार्टी बनाई। 1977 में इंदिरा के आपातकाल के खिलाफ कई पार्टियों का गठजोड़ भी हुआ और यह सफल भी रहा। 90 के उतरा में मंडल-कमंडल की लड़ाई के दौरान कई पार्टियां पनपी। कांग्रेस से भी टूटकर उत्कल कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, एआईएनआर कांग्रेस और वाईएसआर कांग्रेस जैसी छोटी पार्टियां बनी। अलग राज्यों की मांग को लेकर तेलंगाना राष्ट्रसमिति (अब भारत राष्ट्र) और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसी पार्टियों का भी गठन हुआ।

कई राज्यों में पावरफुल हैं छोटी पार्टियां

कांग्रेस और बीजेपी की सीधी लड़ाई के बावजूद अभी भी देश में छोटी पार्टियों का कई जगहों पर दबदबा है। देश के 5 राज्यों में छोटी पार्टियों की सरकार है, जबकि 4 राज्यों में छोटी पार्टियां गठबंधन के साथ किंग या किंगमेकर की भूमिका में है। महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड में राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों की तुलना में छोटी पार्टियां सरकार के ड्राइविंग सीट पर काबिज है, जबकि हरियाणा में बीजेपी के साथ जेजेपी सहयोगी की भूमिका में है।

छोटी पार्टियों का 37.8 प्रतिशत वोट पर है कब्जा

2019 की आंकड़ों को देखे तो वर्तमान में छोटी पार्टियों के पास 37.8 प्रतिशत वोट है, जो बीजेपी के 37.36 प्रतिशत से अधिक है। 2019 के चुनाव में ग्रामीण इलाकों की 353 सीटों में से छोटी पार्टियों ने 120 सीटों पर जीत हासिल की थी। शहरी और अर्द्धशहरी सीटों पर भी छोटी पार्टियों का परफॉर्मेंस कई राष्ट्रीय पार्टियों के मुकाबले शानदार रहा। वोट प्रतिशत के मामले में भी डीएमके, तृणमूल और वाईएसआर कांग्रेस जैसी पार्टियां काफी आगे रही।

महाराष्ट्र में बीजेपी ने बढ़ाया शिवसेना के भीतर संकट

कभी मराठा पॉलिटिक्स में बीजेपी के पांव जमाने में मदद करने वाली शिवसेना अब उसी की वजह से संकट में है। 2014 के बाद महाराष्ट्र में बीजेपी का दायरा लगातार बढ़ता गया। 2014 के चुनाव में बीजेपी और शिवसेना अलग-अलग चुनाव लड़ी। हालांकि, रिजल्ट में किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। शिवसेना को बीजेपी ने जूनियर पार्टनर बना लिया, लेकिन 2019 के बाद शिवसेना ने समझौता करने से इनकार कर दिया। बीजेपी के पास इस बार भी जादुई आंकड़ा नहीं था। शिवसेना कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली, लेकिन आंतरिक बगावत की वजह से 2 साल में ही सरकार गिर गई। इतना ही नहीं शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के हाथ से पार्टी की कमान भी फिसल गई।

असम में खत्म हुआ गण परिषद का वजूद

असम में कभी अकेले दम पर सत्ता में आने वाली असम गण परिषद पार्टी अब बीजेपी के साथ गठबंधन में छोटे भाई की भूमिका में है, इसकी वजह भी बीजेपी और कांग्रेस का चुनावी स्ट्राइक रेट है। 1996 में प्रफुल कुमार महंत के नेतृत्व में असम गण परिषद ने राज्य में सरकार बनाई। यह सरकार पूरे 5 साल तक चली। पहली बार राज्य में गैरकांग्रेसी सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था। 2001 में तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने एजीपी को बुरी तरह हरा दिया, इसके बाद गोगोई लगातार 3 बार राज्य के मुख्यमंत्री बने, कांग्रेस के बढ़ते प्रभाव ने एजीपी में उथल-पुथल मचा दी। एजीपी से बड़े नेता बीजेपी में पलायन करने लगे, कांग्रेस के मुकाबले असम में बीजेपी ने जनाधार बढ़ाना शुरू कर दिया, असम की लड़ाई बीजेपी और कांग्रेस के बीच की हो गई। इस लड़ाई की वजह से एजीपी का दायरा सिकुड़ता गया। वर्तमान में बीजेपी के साथ जूनियर पार्टी के रूप में एजीपी सरकार में शामिल है।

कांग्रेस की मजबूती मतलब छोटे दलों का नुकसान

कांग्रेस या बीजेपी जिन-जिन राज्यों में मजबूत हुई, वहां सबसे अधिक नुकसान छोटी पार्टियों को ही उठाना पड़ा है। इसका उदाहरण असम, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र है। यूपी की सियासत में पिछले 30 साल से बीएसपी और सपा सत्ता की धुरी बनी रही, लेकिन 2017 के बाद बीएसपी का पतन शुरू हो गया, वजह था- बीजेपी का सियासी उभार, 2007 के मुकाबले 2022 में समाजवादी पार्टी की सीटों में ज्यादा बदलाव नहीं आया, लेकिन 15 साल में बीएसपी एक पर पहुंच गई। 2007 में बीएसपी को 206 सीटें जीतकर अकेले दम पर यूपी में सरकार बनाने में सफल हुई थी। इसके बाद 2012 में उसे सपा ने हरा दिया। 2017 के चुनाव में बीजेपी की लहर में सपा के साथ बीएसपी का भी कमजोर हो गई। हालांकि, 2022 में सपा ने वापसी कर ली और 111 सीटें जीतने में कामयाब रही। सपा के मुकाबले बीएसपी इसमें पिछड़ गई। 2022 में

बीएसपी को सिर्फ एक सीटों पर जीत मिली। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक पश्चिमी यूपी में बीएसपी का वोटबैंक बीजेपी में शिफ्ट कर गया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर होगी निगरानी

आने वाले समय एआई की मांग बढ़ेगी। जाहिर सी बात है कि जब उपयोगिता बढ़ेगी तो उसके लाभ और हानि भी दिखाई देगा। इसका प्रभाव उपभोक्ताओं पर गलत न हो इसके लिए सरकार कुछ नियम बनाने पर विचार कर रही है। इस बाबत इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि डिजिटल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को रेगुलेट किया जाएगा। डिजिटल इंडिया बिल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एआई से डिजिटल नागरिकों को नुकसान नहीं पहुंचाता है को सुनिश्चित करने के लिए एआई को रेगुलेट किया जाएगा। विशेषाज्ञों ने कहा कि एआई से नौकरियों को कोई खतरा नहीं है। इंटरनेट पर विषाक्तता और आपराधिकता में काफी वृद्धि हुई है। डिजिटल नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को सफल नहीं होने देंगे। 85 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिसके 2025 तक 120 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

फिलहाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नौकरियों को कोई खतरा नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने वर्तमान रूप में एक तकनीक के रूप में काफी हद तक कार्योन्मुख है लेकिन ऐसी स्थिति से निपटने में सक्षम नहीं है जहां लोजिक और रीजनिंग की आवश्यकता हो। एआई विघटनकारी है, अगले कुछ वर्षों में नौकरियों पर इसका कोई खतरा नहीं दिखता। डॉकिंग (सहमति के बिना इंटरनेट पर व्यक्तियों की निजी जानकारी पोस्ट करना) जैसे अपराध बढ़ रहे हैं। भारत में कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है और केंद्र को राज्य सरकारों के साथ इस पर सख्ती से काम करना होगा । देश में डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिला है और साइबर स्पेस में सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का विजन और मिशन है। डिजिटल इंडिया बिल पर हितधारकों के साथ विचार-विमर्श इसी महीने शुरू होगा। उन्होंने कहा कि नया पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल भी जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में हम विश्व स्तरीय कारखानों, भारी निवेश और बड़ी संख्या में नौकरियों के सृजन को देख रहे हैं। एआई का प्रयोग अच्छे कार्यों में हो तो ठीक है पर उसका प्रयोग अगर विध्वंसक कामों में होगा तो वह मानवता के लिए भी हानिकारक है। अभी दुनिया में ऐसी घटनाएं भी देखने को मिली है कि इसका प्रयोग गल प्रयोजनों में किया गया जैसे अभी हाल में अमेरिका के पेंटागन के पास आग लगने की खबरों को चैनलों में दिखाया गया था जबकि वो पूरी तरह से गलत वीडियो था। अब भारत में ऐसा न हो इसके लिए एक निगरानी तंत्र बनाना जरूरी है।

“ इंटरनेट पर विषाक्तता और आपराधिकता में काफी वृद्धि हुई है। डिजिटल नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को सफल नहीं होने देंगे। 85 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिसके 2025 तक 120 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। फिलहाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नौकरियों को कोई खतरा नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने वर्तमान रूप में एक तकनीक के रूप में काफी हद तक कार्योन्मुख है लेकिन ऐसी स्थिति से निपटने में सक्षम नहीं है जहां लोजिक और रीजनिंग की आवश्यकता हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बांध बम के जरिये विध्वंसक मंसूबे

पुष्परंजन

यूक्रेन के द्नीपर नदी की धाराओं को पनबिजली में परिवर्तित करने के मकसद से काखोव्का बांध 1956 में बनाया गया था। फिलहाल यह रूसी कंट्रोल में है, नोवा काखोव्का शहर इसकी जद में आता है। 44 मीटर की ऊंचाई वाले बांध की परिधि में 2155 वर्गमील इलाके आते हैं, जिसमें यूक्रेन के हिस्से वाला खेरसॉन शहर भी शामिल है। 6 जून, 2023 को इस बांध के अचानक से ढह जाने से तबाही मच गई है, जिसमें यूक्रेन वाला हिस्सा सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि बांध से निकलने वाले पानी की वजह से 17 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करना पड़ा है।

यूक्रेन वाले हिस्से में तीन लोगों के मौत की खबर मिली है। काखोव्का जलाशय से जापोरिजजिया न्यूक्लियर पॉवर प्लांट की कूलिंग के लिए वाटर सप्लाई की जाती है। यह एटमी प्लांट अभी रूस के हिस्से में है। आशंका है कि अगर क्षतिग्रस्त बांध के रास्ते जलाशय से बहुत ज्यादा पानी निकल गया, तो रिएक्टरों को ठंडा करने के लिए पानी नहीं बचेगा, इससे अकल्पनीय तबाही मच सकती है। काखोव्का जलाशय से एक नहर के जरिये रूस के कब्जे वाले क्राइमिया को भी पानी की आपूर्ति की जाती रही है। बांध के टूटने का दुष्प्रभाव वहां भी जान-माल पर पड़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बांध को उड़ाने के लिए रूसी फौजों को जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन क्या यूक्रेन बदले की कार्रवाई करेगा? वाशिंगटन पोस्ट ने पश्चिमी इंटेलिजेंस एजेंसियों के हवाले से खबर दी है कि यूक्रेनी सैनिक नार्ड स्ट्रीम-1 और 2 पाइप लाइनों को उड़ा सकते हैं, जिससे यूरोप के लिए रूस गैस सप्लाई करता है। ये पहले भी ऐसी गड़बड़ी कर चुके हैं। लेकिन लगता नहीं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ऐसा कोई आत्मघाती कदम उठायेंगे, वो भी ऐसे समय जब यूरोप उनके साथ खड़ा हो, और नाटो का समर्थन मिल रहा हो। 7 जून, 2023 को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने 'यूरोपियन प्रावदा' को दिये इंटरव्यू में कहा कि वाशिंगटन पोस्ट इसका सुबूत दे। राष्ट्रपति मैं हूं, और कमांडर इन चीफ वेलेरी को ऑर्डर मैं ही देता हूं।

सितंबर, 2022 में नॉर्वे की पेट्रोलियम सेफ्टी अथॉरिटी ने जानकारी दी कि नॉर्ड स्ट्रीम-1 में दो जगहों से रिसाव हुआ है। इनमें से एक स्वीडिश इकोनॉमिक जोन के पास है, दूसरा डेनिश जोन के पास। दोनों रिसाव डेनिश द्वीप बोर्नहोम के उत्तर

पूर्व में हैं। नार्ड स्ट्रीम पाइप लाइन से छेड़छाड़ का शक वाशिंगटन पर भी गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध से पहले अमेरिका की भृकुटि 'नार्ड स्ट्रीम वन और टू' दोनों की वजह से तनी रहती थी। उन दिनों नेटवर्क ऑपरेटर नॉर्ड स्ट्रीम एजी का कहना था, 'एक ही दिन नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइनों में तीन जगहों पर हुए नुकसान की घटना हैरान करती है। ऐसा पहले कभी हुआ नहीं।' काखोव्का जलाशय टूटने के बाद यूक्रेन के लिए जान-माल की रक्षा का संकट उपस्थित हो चुका है। दक्षिणी खेरसोन के इलाके में केमिकल वाला पानी फैल चुका है। मछलियां बेतहाशा मरी हैं, जिससे महामारी फैलने की आशंका है। लोगों को मछलियां न खाने की चेतावनी यूक्रेन प्रशासन ने दे रखी है। एंटीबायोटिक्स और हैजारोधक दवाओं को स्टॉक किया जा रहा है। तुर्की के राष्ट्रपति रिजेब तैय्यप एर्दोआन ने पुतिन को फोन करके काखोव्का जलाशय तोड़े जाने की जांच किसी अंतर्राष्ट्रीय आयोग से कराने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन ने फोन पर जवाब में एर्दोआन को कहा है कि यह बर्बर कृत्य है, हम भी चाहते हैं कि जांच हो, दूध का दूध और पानी का पानी हो। इस तरह की घटनाएं अंतर्राष्ट्रीय अपराध की श्रेणी में आती हैं, ऐसा कई विशेषज्ञ कह रहे हैं। इंटरनेशनल बार एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. मार्क एलिस का कहना है, 'सैन्य जरूरतों के मद्देनजर बांध जैसे सिविलियन टार्गेट पर हमला हो सकता है लेकिन अगर नागरिकों को हुए नुकसान के मुकाबले फौजी लाभ बहुत कम हो तो इसे अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन माना जा सकता है।' लेकिन बांध तोड़ने की वजह से किसी शासन प्रमुख या सैन्य कमांडर को शायद ही सदा सुनाई गई है। यों, बांध तोड़े जाने की घटना पहली बार नहीं हुई है।

फरवरी, 2022 में जब रूसी फौजें यूक्रेन की राजधानी किएव की ओर बढ़ रही थीं, यूक्रेन की सेना ने इरपिन बांध को उड़ा दिया था। इससे निकले पानी के बहाव ने रूसी टैंकों को आगे बढ़ने से रोक दिया था। दूसरी घटना सितम्बर, 2022 में हुई। तब दक्षिणी यूक्रेन में क्रेवेई री शहर में काराचुनिव्स्क जलाशय पर बना बांध मिसाइल हमले में तबाह हो गया था। इससे हजारों लोगों को घर-बार छोड़कर भागना पड़ा था। ठीक से देखा जाए, तो बांधों को बम के रूप में इस्तेमाल करने का अपराध अतीत में भी होता रहा है।

समृद्ध विरासत को निखारने वाला वास्तुकार

भारत भूषण

बिमल हसमुख पटेल, एक ऐसा नाम जो आज देश और दुनिया में वास्तुकला का पर्याय बन चुका है। भारतीय संस्कृति के सरोकार संजोये पिता से मिली विरासत को आगे बढ़ा रहे बिमल पटेल भारत की नई संसद का वास्तु निर्मित करके न केवल देश का गौरव बढ़ा चुके हैं, अपितु अपना नाम भी इतिहास के पन्नों में दर्ज करा चुके हैं। उनके बनाए संसद के बाह्य एवं आंतरिक स्वरूप की देश-विदेश में चर्चा हो रही है। भारत की नई संसद बाहर से ऐसा शक्ति स्थल नजर आती है, जो कि पूरे विश्व में अद्वितीय है वहीं इसके आंतरिक स्वरूप के दर्शन मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इसमें मयूर एवं कमल पुष्प पर आधारित संरचना भारतीय संस्कृति की अमर कथा कहती है।

नि:संदेह स्वदेश के कण-कण की पहचान रखने वाला और उसकी आराधना करने वाला शख्स ही ऐसा वास्तु कागज पर रेखाओं के रूप में खींच सकता है, जो कि फिर एक भव्य इमारत के रूप में सबके सामने आ पाती है। तीन दशकों से वास्तु संसार में स्थापित बिमल पटेल शहरी वास्तुकला और योजना के विशेषज्ञ बन चुके हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का वास्तु तैयार करने से लेकर देश की नई संसद के वास्तु तक वे देश को अनेक ऐसी सौगात दे चुके हैं, जो कि अद्भुत और संपूर्ण रूप से भारतीय हैं। बिमल पटेल का जन्म 31 अगस्त, 1961 को पिता हसमुख पटेल एवं मां भक्ति पटेल के घर हुआ। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के बिमल की इच्छा एक वैज्ञानिक बनने की थी। लेकिन समय उनके लिए कुछ और रचने में लगा था। पिता हसमुख पटेल भी वास्तुकार थे और घर में वास्तु को लेकर ही दिन-रात बातें होती थी। पिता के सहयोगी और जानकार वास्तु को लेकर चर्चा करते तो बालक बिमल पटेल भी उस चर्चा का हिस्सा बन जाते, हालांकि उस समय उन आड़ी-टेढ़ी रेखाओं का अभिप्राय उन्हें समझ नहीं आता था, आता भी कैसे। वास्तुशास्त्र वह विद्या है, जिसकी परख और समझ सामान्य लोगों के वश की बात नहीं होती। अगर ऐसा होता तो देश में इतनी असामान्य इमारतें आसमान से मुकाबला करते न खड़ी दिखतीं। वे कुछ लोगों के मस्तिष्क में उपजी उस बेचैनी का आईना हैं, जो कि उन्हें ऐसा कुछ रचने को प्रेरित करती है, जो कि अभी तक कहीं प्रतीत न हुआ हो। और जिसके साक्षात् होने के बाद लोग कहें, वाह! ऐसा कुछ पहली बार देखा।

बिमल पटेल ने 12वीं क्लास के बाद आर्किटेक्चर की पढ़ाई शुरू की। उन्होंने सीईपीटी यूनिवर्सिटी के एंट्रेंस एग्जाम में टॉप किया और आर्किटेक्चर में डिप्लोमा हासिल किया। इसके बाद बर्कले यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से आर्किटेक्चर में मास्टर, सिटी प्लानिंग में मास्टर और सिटी एंड रिजनल प्लानिंग में पीएचडी की डिग्री हासिल करके उन्होंने अपने इरादे जाहिर कर दिए। वास्तु को व्यवसाय कहना सही नहीं होगा, क्योंकि यह आराधना की भांति है। जब योजनाबद्ध तरीके से कोई इमारत स्वरूप लेती है तो उसके गलियारों से गुजरते हुए या फिर उसके सामने खड़े होकर उसे निहारते हुए पूजा करने जैसा ही अहसास होता है, बिमल पटेल अपने बनाए डिजाइन के जरिये इसी अहसास को जीते हैं। दिल्ली में सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट से भी वे जुड़े हैं और कर्तव्य पथ पर बगीचों का नया स्वरूप उनकी ही देन है। यह पथ देश की आन-बान-शान है और इसके दोनों तरफ का परिदृश्य बखूबी किसी वास्तुशिल्पी की पहचान बताता है, जिसे प्रकृति से गहरा प्यार है।

बिमल पटेल ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को भी डिजाइन किया है। काशी श्रद्धा का अमर स्थल है और यहां विश्वनाथ मंदिर का नया स्वरूप बदले भारत की कहानी कहता है। पुरातन मंदिर के आसपास के घर-दुकानों और रास्तों को जब ढहाया जा रहा था तो सवाल यही था कि आखिर ऐसा क्या बन जाएगा, जो कि भगवान शिव को समर्पित इस स्थल को गौरवान्वित करेगा, लेकिन अब उस स्थल को देखकर इसका सहज अंदाजा लग जाता है कि किसी धार्मिक स्थल को कैसा होना चाहिए। वह गर्वित, प्रेरक, संकल्पशील, प्रखर, ऊर्जावान और मनोहर होना चाहिए। बिमल पटेल सिर्फ वास्तु तैयार नहीं करते बल्कि देश के लिए नए वास्तुकार भी तैयार कर रहे हैं। वे वर्तमान में अहमदाबाद में सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष हैं। बिमल साल 2012 से इस विश्वविद्यालय का नेतृत्व कर रहे हैं। इसके साथ ही वे एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख भी हैं, जिसकी स्थापना उनके पिता हसमुख सी पटेल ने 1960 में की थी। हसमुख पटेल ने भी कई प्रतिष्ठित इमारतों को डिजाइन किया था।

डॉ. बिमल पटेल को उनके काम और परियोजनाओं को आगा खान अवार्ड फॉर आर्किटेक्चर (1992), वर्ल्ड आर्किटेक्चर अवार्ड (1997), यूएन सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस (1998), आर्किटेक्चर रिव्यू हाई कमेंडेशन अवार्ड (2001) सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। शहरी योजना और डिजाइन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार (2003) और हडको डिजाइन पुरस्कार (2013) भी उन्हें हासिल हुआ। उन्हें 2019 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बिमल पटेल ने देश में आवासीय, संस्थागत, वाणिज्यिक, औद्योगिक और शहरी डिजाइन और शहरी नियोजन परियोजनाओं की एक श्रृंखला पर काम किया है। निश्चित रूप से बिमल पटेल एक वास्तुकार के रूप में देश को ऐसी निधि सौंप रहे हैं, जो कि पूरी तरह से भारतीय है और उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाती है।

कम ऑयली पकौड़ों में स्वाद के साथ मिलेगी अच्छी सेहत

स्नैक्स में पकौड़ों का चलन सबसे अधिक है। त्योहार हो या फिर बरसात व सर्दी का मौसम, हर मौके पर पकौड़े लजीज लगते हैं। पकौड़े बनाना झटपट का काम होता है, और कम सामग्री व कम समय में तैयार किया जा सकता है। होली के त्यौहार में कई दोस्त, रिश्तेदार या मेहमान घर पर आते हैं। उनके लिए गरमा गरम पकौड़े आसानी से परोसे जा सकते हैं। अगर अचानक से कोई स्नैक्स तैयार करना हो तो भी चाय के साथ आलू, प्याज, पनीर, पालक आदि कई तरह के पकौड़े बना सकते हैं। भले ही लोगों को पकौड़े खाना पसंद होता है लेकिन अधिक तेल के कारण लोग उसे रोज नहीं खा पाते। कई बार लोग पकौड़े खाना पसंद करते हैं लेकिन अधिक ऑयली न खाने के कारण उन्हें पकौड़ों से परहेज करना पड़ता है। लेकिन आप कम तेल के पकौड़े बनाकर इस समस्या से बच सकते हैं।

तेल सुखाएं

वहीं जब पकौड़े तल जाएं तो उन्हें कड़ाही से निकालते समय अच्छे से सुखाएं। बाद में जिस बर्तन में पकौड़े निकाल रहे हैं, उस पर पेपर नेपकिन बिछाएं, ताकि अतिरिक्त तेल कागज में निचुड़ जाए और पकौड़े कम तैलीय बनें।

फ्राई करने वाला बर्तन

पकोड़े में अधिक तेल होने की एक वजह उसे गलत बर्तन में तलना है। पकौड़े तलते समय ध्यान रखें कि जिस बर्तन का उपयोग आप कर रहे हैं उसका तल मोटा हो। इससे तेल के तापमान को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलती है और पकौड़े अपेक्षाकृत कम तैलीय बनते हैं।

बेसन का बैटर

आप किसी भी सब्जी के पकौड़े बनाएं, एक चीज सभी में इस्तेमाल होती है, वह है बेसन। पकौड़े बनाने के लिए बेसन का बैटर तैयार किया जाता है। पकौड़े का सही बैटर न बनाने से पकौड़े खराब बनते हैं। पकौड़े के लिए बेसन का बैटर सही तरीके से तैयार किया हो। यह न तो बहुत अधिक गाढ़ा हो और न ही बहुत पतला हो। पकौड़े का बैटर बनाने के लिए बेसन में सभी जरूरी मसाले और पानी को एक साथ मिक्स करें। अपनी सब्जी को बैटर में डिप करके देखें कि उसकी कोट अच्छे से लग पा रही है या नहीं। बैटर में 3-4 बूंद तेल मिलाने से पकौड़े में अधिक तेल अब्जॉर्ब नहीं होगा।

तलने के लिए तेल की मात्रा

जब पकौड़े तलने के लिए कड़ाही में डालते हैं तो अक्सर लोग गलती से कम या बहुत अधिक तेल रखते हैं। इस कारण पकौड़े अधिक तेल अब्जॉर्ब कर लेते हैं। पकौड़े को डीप फाई करते समय तेल खत्म होने लगता है, इस पर बचे हुए सभी पकौड़े एक साथ कढ़ाई में डाल देते हैं। जिससे पकौड़े आपस में चिपक जाते हैं और उनकी लेयर उतरने लगती है। इसी वजह से पकौड़े अधिक तेल सोख लेते हैं।

गर्मियों में बनाएं स्वादिष्ट कुल्फी, हर कोई करेगा तारीफ

गर्मियों के सीजन में खान-पान का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। ज्यादा तला-भुना खाना खाने से बीमार हो सकते हैं, वहीं कम खाने से परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है। गर्मी के इस मौसम में हमेशा ठंडी तासीर वाला खाना ही खाना बेहतर रहता है। अगर आपका शरीर अंदर से ठंडा रहेगा तो कई तरह की परेशानी से आप दूर रहेंगे। गर्मी में राहत के लिए लोग आइसक्रीम खाना पसंद करते हैं। पर बाजारों में मिलने वाली आइसक्रीम शरीर को नुकसान पहुंचाती है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी डिश की सिंपल रेसिपी बताने जा रहे हैं, जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक पसंद करते हैं। घर पर कुल्फी बनाना बेहद आसान है।

विधि

गर्मियों के मौसम में कुल्फी खाना हर किसी को पसंद होता है। घर पर इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में दूध को उबाल लीजिए। गैस धीमी करके इसे एक तिहाई होने तक पकने दें। दूध पकते वक्त इसे चलाना कतई ना भूलें। जब ये अच्छे से पक जाए तो इसमें चीनी और पिस्ता डालें और लगातार चलाते रहें। इसी बीच इसमें पिसी हुई केसर के धागे और इलायची डालें। पकने के बाद इसे गैस से हटाकर ठंडा करने के लिए रख दें। कुछ देर बाद जब ये ठंडा हो जाए तो कुल्फी मोड में इसे डालकर फ्रिज में जमने के लिए रख दें। जब कुल्फी जम जाए तो ठंडी-ठंडी ही परोसें। चाहें तो इसके ऊपरे से पिस्ता और केसर डाल कर इसे सजाएं।

सामान

दूध- 2 लीटर, चीनी- 4 से 5 टेबल स्पून, पिस्ता- छोटी आधी कटोरी (कटा हुआ), केसर के धागे- आधा टीस्पून, छोटी इलायची- पीसी हुई 8 अदद।

हंसना मना है

वो लड़कियां भी किसी आतंकवादी से कम नहीं हुआ करती थी जो टिचर के क्लास में आते ही याद दिला देती है ... सर आपने टेस्ट का बोला था!

वकील - हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी - मेरा चश्मा कहां है संगीता? वकील - तो इसमें मारने वाली क्या बात थी? पत्नी - मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश!

एक लड़का अचानक लड़की देखकर शायर बन गया, बोला-लफ्ज़ तेरे, गीत मेरे, लड़की बोली-हाथ मेरे, गाल तेरे, कान के निचे बजा डालू क्या?

अंकल (पिंटू से)- और बेटा पढ़ाई कैसी चल रही है? पिंटू- बस, अंकल चलते-चलते मुझसे बहुत दूर चली गई है।

दांत का डॉक्टर- आपका दांत सड़ चुका है। इसे निकालना पड़ेगा। राजू- हां, तो कितने पैसे लगेंगे? दांत का डॉक्टर- बस 500 रुपए लगेंगे। राजू- 50 रुपए ले लो और थोड़ा सा ढीला कर दो, मैं खुद ही निकाल लूंगा।

कहानी — दूधवाले की मूर्खता

एक गांव में एक दूधवाला था जो निकट के बाजार में ही दूध बेचने जाया करता था। हर दिन की तरह उसने ताजा गाड़ा दूध की दो बाल्टियां ली और बाजार में बेचने के लिए चल दिया। जैसे-जैसे उसने बाज़ार की ओर कदम बढ़ाया, उसके विचारों ने धन की ओर कदम बढ़ाया। अपने रास्ते में, वह दूध बेचने से होने वाले पैसे के बारे में सोचता रहा। फिर उसने सोचा कि वह उस पैसे का क्या करेगा। वह खुद से बात कर रहा था और कह रहा था, 'एक बार जब मुझे पैसा मिल जायेगे तो मैं एक और गाये खरीदूंगा। जब दूध ज्यादा होगा तो ज्यादा पैसे आएंगे। फिर मैं ओर गाये भेस खरीदूंगा। फिर मेरे पास बहुत सा पैसा हो जायेगा। फिर, मैं एक शानदार घर खरीदूंगा और हर कोई मुझसे ईर्ष्या करेगा। सोचते हुए वो बहुत खुश था। इन खुश विचारों के साथ, वह आगे बढ़ता गया। लेकिन उसने रास्ते में पड़े एक बड़े पत्थर पर ध्यान ही नहीं दिया और अचानक उससे टकराकर गिर गया। सारा दूध फ़ैल गया। दूध फैलने के साथ ही उसके सारे सपने भी चकनाचूर हो गए। जमीन में गिरे दूध को देखकर और रोने लगा। उसे अपनी मूर्खता पर बहुत पछतावा हो रहा था।

कहानी से शिक्षा-हमें अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिये। यदि कर्म करने से पहले ही हम उसके परिणाम के बारे में सोचते रहेंगे तो कर्म भी सही नहीं होगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप उत्साह से भरे रहेंगे। आपके घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज आप अपने सभी काम मेहनत से करेंगे। आपकी मेहनत रंग लायेगी।

वृषभ

कार्यस्थल पर अचानक विकास होगा और ये बदलाव आपके पक्ष में होंगे। आपका संचार कौशल मजबूत होगा और आप आसानी से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे।

मिथुन

आज किसी नई योजना को बनाने में आप सफल होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। किसी खास काम में आपको माता का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क

बढ़ती महत्वाकांक्षाएं नई सफलता की ओर बढ़ेंगी। आपके व्यक्तित्व में वृद्धि होगी और आप आसानी से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे। प्रमोशन होने के योग हैं।

सिंह

आज अधिकारी वर्ग से आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिल सकता है। आपको अपने काम में जीवनसाथी का पूरी मदद मिलेगी। थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है।

कन्या

व्यय बहुत अधिक हो सकता है अत: खर्चों पर नियंत्रण रखें। भाग्य पक्ष कमज़ोर है, अत: नए कार्यों में हाथ ना डालें और नए निवेश या आर्थिक जोखिम उठाने से बचें।

तुला

आज किसी पुरानी जमीन से आपको धन लाभ हो सकता है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं।

वृश्चिक

आज आप के लिए भाग्य और कर्म का अद्भुत मेल रहेगा । किसी महिला मित्र से सहयोग मिलने के कारण उन्नति के आसार बन रहे हैं। संतान से सुख मिलेगा।

धनु

आज आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी होने के योग बन रहे हैं। आज आपके सामने आय के नए स्रोत आयेंगे।

मकर

आज सुदूर यात्रा का योग बहुत प्रबल है जिसमे खट्टे-मीठे दोनों तरह के अनुभव होंगे। संतान की ओर से कुछ चिंता हो सकती है। अनावश्यक क्रोध से बचना श्रेयकर रहेगा।

कुम्भ

आज कारोबार में अचानक से आपको फायदा होगा। ऑफिस में आप सबकी मदद के लिये तैयार रहेंगे। आज आपके मन में पैसे कमाने के नए विचार आयेंगे।

मीन

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है। जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है। किसी खोई हुई वस्तु के मिलने से खुशी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

13 साल की उम्र में मैं हुई थी शोषण का शिकार : सोनम

अपने स्टाइल स्टेटमेंट के लिए दुनियाभर में मशहूर सोनम कपूर एक लैविश लाइफ जीती हैं। दिग्गज एक्टर अनिल कपूर की लाडली की लग्जरी लाइफ पर अक्सर लोगों को चर्चा करते हुए देखा जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर तरह की शान-ओ-शौकत होने के बावजूद सोनम कपूर को एक बार यौन शोषण का सामना करना पड़ा था। जी हां, इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने एक बार खुद अपने एक इंटरव्यू में करके सभी को चौंका दिया था। सोनम एक टॉक शो पर महिलाओं के साथ होने वाले शोषण पर चर्चा करने के लिए पहुंची थीं। यहां उनके साथ विद्या बालन, अनुष्का शर्मा, राधिका आप्टे और आलिया भट्ट भी मौजूद थीं। इस दौरान सोनम ने अपने दर्द का भी सबके सामने खुलासा कर दिया, जिसे सुनकर सभी चौंक गए। सोनम ने बताया कि जब वह 13 साल की थीं तब उन्होंने यौन शोषण का सामना किया था, जो उनके लिए बहुत डरावना था। सोनम ने बताया, ये घटना मुंबई के एक थिएटर में हुई थी। वह अपने दोस्तों के साथ फिल्म देखने गई थीं। सभी लोग बाहर कुछ खाने का सामान खरीदने आए थे। तभी अचानक एक आदमी पीछे से आया और उसने मेरे ब्रेस्ट दबाए। तब मैं छोटी थी और मेरा फिगर भी नहीं था, लेकिन जब मेरे साथ ये हुआ तो मैं कांप उठी। मुझे नहीं समझ आया कि ये हो क्या रहा है और मैं वहीं पर रो पड़ी, लेकिन मैंने इस बारे में किसी से कोई बात नहीं की। इसके बाद मैं वापस अंदर जाकर बैठ गई और पूरी फिल्म देखी, क्योंकि तब मुझे लग रहा था कि जैसे मैंने ही कुछ गलत कर दिया है। सोनम के इस खुलासे से हर कोई स्तब्ध था। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने इस घटना का जिक्र अगले 2-3 सालों तक कभी किसी से नहीं किया था।

संजय लीला भंसाली लेकर आ रहे हैं इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म

बैजू बावरा

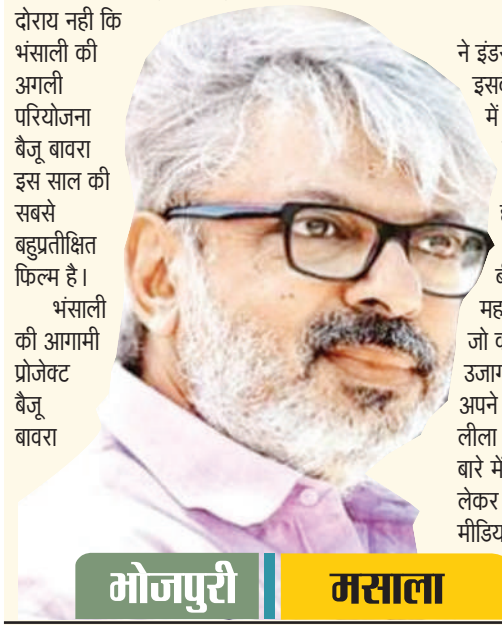

भारत के सबसे बेहतरीन फिल्मकारों में शुमार संजय लीला भंसाली लगातार अपनी विशेष कला- कौशल का परिचय देते हैं। हमने आखिरी बार गंगूबाई काठियावाड़ी के जरिए उनकी प्रतिभा देखी, जो महामारी के दौरान बॉलीवुड की पहली सुपरहिट साबित हुई और कई पुरस्कार समारोह को अपने नाम किया। इसमें कोई दोराय नही कि भंसाली की अगली परियोजना बैजू बावरा इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है।

भंसाली की आगामी प्रोजेक्ट बैजू बावरा ने इंडस्ट्री का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया है, इसके निर्माण और स्टार-स्टडेड कलाकारों के बारे में काफी चर्चा हुई है। निस्संदेह, बैजू बावरा भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है, जो स्क्रबैनर से एक और सिनेमाई करिश्मा होने का वादा करता है।

उड़ती हुई अफवाहों और स्पष्ट प्रत्याशा के बीच, फिल्म निस्संदेह निर्देशक के सबसे महत्वाकांक्षी उपक्रमों में से एक के रूप में उभरी है, जो कास्टिंग के लिए उनकी समझदार नजर को उजागर करती है। इंडस्ट्री विशेषज्ञ तरण आदर्श ने भी अपने सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए कहा, संजय लीला भंसाली की बैजू बावरा. #BaijuBawra के बारे में जबरदस्त अटकलें हैं... इसकी कास्टिंग से लेकर प्रोजेक्ट की टाइमलाइन तक, हर चीज पर मीडिया द्वारा चर्चा की जा रही है... क्योंकि #BaijuBawra इंडस्ट्री की सबसे बड़ी परियोजनाएं में से एक है.... एक ऐसा विषय जिसने पिछले कुछ समय से #Sanjay Leela Bhansali को आकर्षित किया है।.. इस मोर्चे पर और खबरों के लिए हमारे साथ बने रहें!

भोजपुरी | मसाला

संजय लीला भंसाली बना चुके सुपरहिट फिल्म

संजय लीला भंसाली ने देवदास, बाजीराव मस्तानी, गंगूबाई काठियावाड़ी, गोलियों की रासलीला राम-लीला, और पद्मावत जैसी अपनी विशाल ब्लॉकबस्टर फिल्मों के माध्यम से अपने विस्मयकारी योगदान के साथ भारतीय सिनेमा के दिशा को नया रूप दिया है। विशेष रूप से, 2022 में, भंसाली की महान कृति गंगूबाई काठियावाड़ी ने न केवल दर्शकों को महामारी के बाद के दौर में सिनेमाघरों में आने के लिए लुभाया, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर अभूतपूर्व सफलता भी हासिल की। राज कपूर, के आसिफ, महबूब खान, वी शांताराम, गुरु दत्त और कमाल अमरोही जैसे सिनेमा के दिग्गजों के साथ, 60 से 90 के दशक में शानदार सिनेमा का दौर देखा गया था। जबकि दर्शक इस तरह के अद्भुत और शुद्ध सिनेमा के लिए काफी तरस रहे थे, उन्हें संजय लीला भंसाली की बदौलत सिनेमा देखने के हर यथार्थवाद और उत्सव के साथ प्रामाणिक सिनेमा से फिर से परिचित कराया गया।

गदर-2 को टक्कर देने आ रही है अक्षय कुमार की ओएमजी-2

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ नजर आने वाले हैं। वहीं अभिनेता की आने वाली फिल्म ओएमजी 2 का भी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। क्योंकि इस फिल्म का पहला पार्ट फैंस को खासा पसंद आया था। अब ओएमजी 2 को लेकर नया अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट बता दी है। तो चलिए जानते हैं कि यह फिल्म कब रिलीज हो रही है।

अक्षय कुमार की मच अवेटेड फिल्म ओएमजी की रिलीज डेट जारी कर दी गई है। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार की यह फिल्म सनी देओल की गदर 2 को टक्कर देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि मेकर्स फिल्म को सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि अब बॉलीवुड के खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ओएमजी 2 का पोस्टर रिलीज करते हुए मूवी की रिलीज डेट भी जारी कर दी है।

बता दें कि अपनी फिल्म का पोस्टर खुद अक्षय कुमार ने शेयर किया है। इस पोस्टर में वह शरीर पर भस्म लगाए हुए हैं। उनकी लंबी लंबी जटाएं हैं। वह नीचे की ओर देख रहे हैं और एक हाथ उठाकर डमरू पकड़े हुए हैं। ओएमजी 2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। अक्षय कुमार ने इस फिल्म के साथ कैप्शन में लिखा है, आ रहे हैं हम, आइएगा आप भी 11 अगस्त को सिनेमाघरों में ओएमजी 2। अक्षय का यह पोस्ट पढ़ने के बाद फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। ओएमजी 2 में अक्षय कुमार के साथ यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में हैं। इस बार यह फिल्म शिक्षा व्यवस्था पर आधारित होने वाली है।

अजब-गजब | मास हिस्टीरिया के कारण हुई अजीबो-गरीबो घटना

यहां के स्कूलों में बेहोश हुए सैकड़ों बच्चे!

मेक्सिको यूं तो समृद्ध देशों में आता है पर वहां ड्रग्स एक बड़ी समस्या है जिसकी जड़ें पूरे देश में फैली हुई हैं। मेक्सिको का एल चैपो एक ड्रग डीलर था जो पूरी दुनिया में कुख्यात था। पर आज हम मेक्सिको की खबर आपको ड्रग्स तस्करी के लिए नहीं बता रहे हैं, बल्कि एक अजीबोगरीब घटना के चलते बता रहे हैं जो पिछले साल इस देश में घटी और उसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। एक साल हो चुके हैं मगर इस घटना का सच और कारण पूरी तरह लोगों के सामने नहीं आया है, पर बताया जाता है कि इसमें भी ड्रग्स शुमार था।

ऑडिटी सेंट्रल न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 में मेक्सिको में एक ऐसी घटना घटी जिसने सभी को हिला दिया। वो इसलिए क्योंकि यहां अलग-अलग स्कूलों के सैकड़ों बच्चे बेहोश होने लगे, उन्हें उल्टी-दस्त होने लगा और तबीयत बिगड़ गई। सबसे पहले ये मामला सामने आया 23 सितंबर 2022 के दिन जब तापाचुला के फेड्रल 1 पब्लिक सेकेंड्री स्कूल के 12 छात्र, 11 लड़कियां और 1 लड़का अचानक क्लास, बाथरूम और प्लेग्राउंड में चक्कर खाकर गिर पड़े। इसके अलावा 22 छात्रों ने उल्टी और सिर दर्द की शिकायत की।

उस वक्त बच्चों ने हवा में पत्तियों के जलने की महक आने की शिकायत की थी। पुलिस को लगा कि शायद किसी ने ड्रग्स यानी गांजे की पत्तियां जला दी

होंगी जिसकी वजह से ऐसा हुआ। पर जांच में ऐसा नहीं निकला। कुछ बच्चों ने दावा किया कि उन्हें बाथरूम में हल्का पीला रंग का पाउडर दिखाई दिया था। उसकी भी जांच हुई, तो वो भी ड्रग्स जैसी कोई चीज नहीं निकली। डॉक्टरों को लगा कि शायद बच्चों को पैनिक अटैक आए होंगे, इस वजह से उनकी हालत ऐसी हो गई। पर इस घटना के दबा जब एक के बाद एक मेक्सिको के कई स्कूलों से सैकड़ों बच्चों के अंदर यही लक्षण दिखाई दिए तो हर कोई हैरान रह गया। इस घटना के 2 हफ्ते बाद मेक्सिको के चियापास नाम के राज्य में ऐसी ही घटना हुई जहां 68 बच्चे बेहोश हो गए। उस वक्त जब डॉक्टरों ने जांच की तो उन्हें 4 बच्चों को खून से कोकेन के अंश मिले। ऐसा ही मामला पिछले स्कूल में फिर आया जहां दर्जनों बच्चे बेहोश हुए। धीरे-धीरे देश के अन्य राज्यों के स्कूल में भी जब ऐसा हुआ तो जांच भी तेज कर दी गई। डॉक्टरों ने ड्रग्स, या खाने में कुछ मिलाए जाने की संभावना को पूरी तरह से किनारे कर दिया क्योंकि जांच में बच्चों के खून से ऐसी चीजें नहीं मिली और ना ही खाने में कुछ मिला। इसके अलावा स्कूल, फैक्ट्रियों के पास नहीं थे, जिससे हवा के रास्ते उन तक कोई जहर पहुंच जाए।

तब मेक्सिको सिटी के डॉक्टर कार्लोस पानटोजा मेलेंडिस ने अपनी रिसर्च शुरू की और पाया कि ये ड्रग्स का मामला नहीं, बल्कि मास हिस्टीरिया का केस है। मास हिस्टीरिया वो कंडीशन होती है जिसमें जब कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ती है, तो उनके पास मौजूद अन्य लोगों के साथ भी ऐसा ही होने लगता है। उनके अंदर भी एक जैसे ही सिंप्टम्स दिखाई देने लगते हैं। हालांकि, ये सिर्फ उनका अंदाजा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए एक राज्य के स्कूल से दूसरे राज्य के स्कूल में ये मास हिस्टीरिया फैला होगा। मामले की जांच अभी भी जारी है, और किसी पुख्ता नतीजे तक कोई नहीं पहुंच पाया है।

यह शख्स मुंह के बजाय नाक से बजाता है बांसुरी, देखकर लोग हो जाते हैं हैरान

बीकानेर। दुनिया में ऐसे कई कलाकार हैं जो अपनी अद्भुत कला के जरिए सभी को अपनी ओर आकर्षित करते है। ऐसे में आपने कई कलाकारों को मुंह से बांसुरी बजाते हुए देखा होगा, लेकिन क्या कभी आपने किसी को नाक से बांसुरी बजाते हुए देखा है। अगर नहीं देखा है तो हम आपको आज एक ऐसे कलाकार की कला दिखाते है की जिससे आप देख कर अचंभित हो जाएंगे। यह व्यक्ति मुंह के अलावा नाक से भी बांसुरी बजाता है। हम बात कर रहे है बीकानेर शहर के बसंत कुमार ओझा। जो पेशे से सरकारी शिक्षक है। लेकिन एक अद्भुत कला से सबको हैरान कर दिया है।

बसंत कुमार ने बताया कि वे पिछले 32 सालों से बांसुरी बजा रहे है और 12 सालों से नाक से बांसुरी बजा रहे है। वे बताते है 12 साल पहले बीकानेर में अंतर्राष्ट्रीय ऊंट महोत्सव में भाग लेने के लिए साफा और अन्य कपड़े पहनकर दोस्तो से मस्ती मजाक कर रहे थे, अचानक वे बांसुरी को मुंह की बजाय नाक से बजाने का प्रयास करने लगे। उस समय दोस्तों को बहुत पसंद आया और कहा कि यह बहुत अद्भुत और विचित्र है। दोस्तों ने इस प्रतिभा को मंच पर बजाने का आग्रह किया और इस महोत्सव में देश विदेश से लोग आए हुए थे, उस समय मंच पर फिर नाक से बांसुरी बजाई और यह अच्छी तरह से बांसुरी बजी। वहां बैठे सभी लोगों ने मेरी तारीफ की तो हौसला मिला। फिर लगातार नाक से बांसुरी बजाता रहा। बसंत बताते है कि वे नाक से बांसुरी में सेमी क्लासिकल, राजस्थानी, फिल्मी सहित कई तरह की धुनों को बजाते है। वे सभी तरह के इंस्ट्रूमेंट बजा लेते है। उनका सपना है की वे आगे बांसुरी से वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। बसंत ने बताया कि वे नाक और मुंह से बांसुरी के लिए रोजाना 2 घंटे अभ्यास करते है। साथ ही वे प्राणायाम भी करते है। जिससे उन्हें किसी भी तरह की कोई तकलीफ नहीं रहती है। बसंत बताते है कि अभी छुट्टियों में बच्चों को फ्री में बांसुरी बजाना सीखा रहे है। जिससे बच्चे बांसुरी बजाकर कुछ कर सकें और यह संगीत जिंदा रह सके। वे बताते है कि अभी उनके पास 15 बच्चे बांसुरी बजाना सीखने आते है। कई बच्चे तो उनके देश के कई कोनो में जाकर बांसुरी बजा रहे है।

किसानों को जहां फायदा हो वहां बेचें अनाज : कृषि मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

किसानों के मुद्दों पर की चर्चा

कैबिनेट मंत्री ने प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के शिविर के बारे में बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में एक साथ 66 हजार 759 ग्राम पंचायतो में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए शिविर का आयोजन होना था, जिसमें अभी तक प्रदेश में 57 हजार शिविर लगाए जा चुके है, इस शिविर का मुख्य उद्देश्य यह है कि किसानों की जो भी समस्या हो चाहे वह बैंक में खाता को लेकर हो या फिर केवाईसी या अन्य समस्याएं हों, उनका निदान अति शीघ्र कराया जाए. ताकि इन किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान निधि की 14वीं किश्त भेजी जा सके।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही चंदौली में आयोजित प्रधानमंत्री किसान निधि योजना शिविर में शामिल हुए। ये शिविर चकिया स्थित दुबेपुर गांव में आयोजित किया गया था। इस दौरान उन्होंने बताया कि यूपी की 66759 ग्राम पंचायतों इस तरह से शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें किसानों की समस्याओं का त्वरित निदान हो सके ताकि प्रधानमंत्री किसान निधि की 14वीं किश्त सभी किसानों को मिल सके।

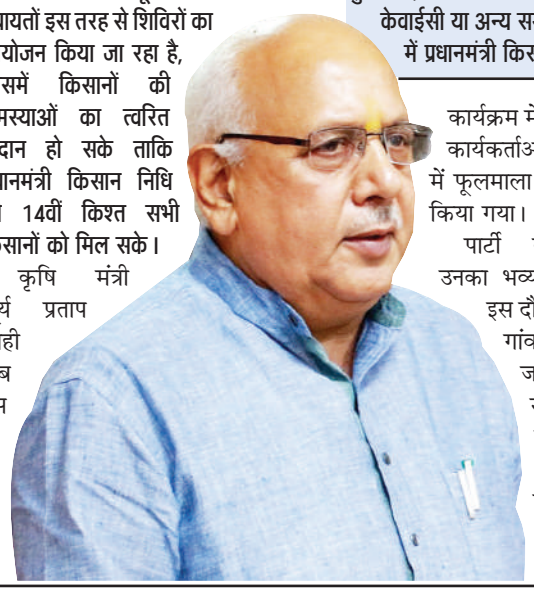

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जब इस कार्यक्रम में पहुंचे तो बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें गले में फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने दूबेपुर गांव मे एक छोटी सी जनसभा को सम्बोधित भी किया और किसानों के मुद्दों पर खुलकर बात की और लोगों से चर्चा की।

कोर्ट शूटआउट पर सरकार ने बनाई एसआईटी : शाही

प्रदेश भर में सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद कम होने पर कृषि मंत्री ने कहा, किसानों को जहां ज्यादा फायदा मिले वहीं पर किसानों को अपना अनाज बेचना चाहिए, इसीलिए गेहूं का एमएसपी न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया, ताकि किसान सरकारी क्रय केंद्र पर या फिर उसी मूल्य में बाजार में बेच सके। वहीं दो दिन पहले लखनऊ में कोर्ट के अंदर हुए शूट आउट पर बोलते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार ने एसआईटी बना दी है दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी न्यायालय की सुरक्षा बढ़ाई जा रही है।

बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे प्रदेश में 'लव जिहाद' के मामले : धामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें ''लव जिहाद'' के मामलों में सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीएम धामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उत्तराखंड में विभिन्न धर्मों के लोग शांतिपूर्वक रहते हैं, लेकिन 'लव जिहाद' जैसी चीजों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के अपराध एक साजिश के तहत किए जा रहे हैं, लेकिन अब लोग इसके खिलाफ खुलकर सामने आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से हाल में सामने आई 'लव जिहाद' की घटनाओं के संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी लेने के लिए यहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''लव जिहाद के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। यही कारण है कि पिछले दो-तीन महीनों में इस तरह की घटनाएं अधिक सामने आई हैं। सशक्त धर्मांतरण-रोधी कानून भी इसका एक अहम कारण है।

'' उन्होंने कहा, ''पुलिस को लव जिहाद के मामलों में दोषियों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए । उन्हें समय-समय पर सत्यापन अभियान चलाने के लिए भी कहा गया है, ताकि बाहर से आने वाले और यहां के निवासियों के बारे में अद्यतन जानकारी का पता लगाया जा सके।''

इन जिलों में सामने आईं घटनाएं

गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में उत्तरकाशी, चमोली और हरिद्वार जिलों से मुस्लिम युवकों द्वारा कथित तौर पर नाबालिग हिंदू लड़कियों के अपहरण के प्रयास की लगभग आधा दर्जन घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें युवकों ने हिंदू लड़कियों से दोस्ती करने के लिए अपनी धार्मिक पहचान छिपाई थी। सीएम धामी ने कहा कि 'लव जिहाद' के खिलाफ खुलकर सामने आने वाले लोगों की संख्या, इस प्रकार के अपराधों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है।

राज्य की आर्थिक बदहाली पर श्वेतपत्र लाएगी हिमाचल सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। प्रदेश सरकार हिमाचल की आर्थिक बदहाली पर एक माह के भीतर श्वेतपत्र लाएगी। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई कैबिनेट सब कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह सहित वित्त विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मुकेश ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन से जनता को अवगत कराया जाएगा।

पूर्व सरकार के समय लिए भारी कर्ज को चुकाने के लिए वर्तमान में और कर्ज लेने का उपमुख्यमंत्री ने दावा किया। श्वेतपत्र तैयार करने के लिए गठित कमेटी के अन्य सदस्य मंत्री चंद्र कुमार बैठक में शामिल नहीं हुए। मुकेश ने कहा कि जल्द ही दो और बैठकें की जाएंगी। शुक्रवार को पहली बैठक में आय-व्यय और संसाधनों की जानकारी जुटाई गई। वित्त से जुड़े हर मसले को कमेटी देखेगी। जनता के बीच पूरी रिपोर्ट रखी जाएगी। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में मुकेश ने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार ने बीते पांच साल में वित्तीय प्रबंधन के साथ खिलवाड़ किया है।

आपसी सहमति से धर्मांतरण का न हो विरोध : अंजान

» अंसारी बंधुओं सहित तमाम अपराधिक छवि वाले नेताओं पर जमकर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के गाजीपुर में अखिल भारतीय किसान सभा का 25वां राज्य सम्मेलन चल रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव कामरेड अतुल अंजान है। इस राज्य सम्मेलन में किसानों की समस्याओं के साथ ही किसानों का कैसे उत्थान हो इसके बारे में पूरे प्रदेश से आए हुए प्रतिनिधि गढ़ अपनी-अपनी राय रख रहे हैं, इस दौरान अतुल अंजान अंसारी बंधुओं सहित तमाम अपराधिक छवि वाले नेताओं पर जमकर बरसे।

अतुल अंजान ने देश में चल रहे धर्मांतरण के मामले पर बोलते हुए कहा कि इस देश में धर्मांतरण बहुत होते रहे हैं, जोर जबरदस्ती से अगर धर्मांतरण होता है तो उसका निश्चित रूप से विरोध होना चाहिए, लेकिन यदि कोई सहमति से करना चाह रहा तो उसका कोई विरोध नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सुनील दत्त नरगिस से शादी की थी। पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन ने एक बौद्ध महिला से शादी की थी। कुछ दिनों पहले भाजपा और आरएसएस के बड़े नेता रामलाल के पोती की शादी एक मुसलमान के साथ लखनऊ में हुई थी, जिसमें मैं खुद शामिल रहा।

पीएम मोदी पर किया हमला

कानून व्यवस्था की स्थिति ऐसी है कि कोर्ट में ही लोग मारे जा रहे हैं लड़कियों को सरेआम मारा जा रहा है, उन्हें उठाकर ले जाया जा रहा है। देश में प्रतिदिन 3 महिलाओं की हत्या हो रही है। इस दौरान उन्होंने एक गाना, झूठ बोले कौवा काटे की तर्ज पर कहा, यह मोदी काला कौवा है और झूठ बोलता है और अब इसे मायके गुजरात वापस भेज दो। यह सातों वचन नहीं निभा सकता है।

अतुल अंजान ने कहा कि इस तरह कई ऐसे नेता है जिन्होंने दूसरे धर्म के लोगों से शादियां की है। ऐसे में आप धर्मांतरण को राजनीतिक विषय बना रहे हो। आज रोटी का सवाल है लेकिन आप धर्मांतरण की बात करते हो तो ऐसा कानून बना दो जिससे धर्मांतरण ना हो।

इस दौरान अंसारी बंधुओं पर बोलते हुए कहा कि गुंडे कभी किसी के नहीं होते और गुंडों से समाज नहीं चला करता। गुंडे जब राजनीति में आ जाएंगे तो धर्म और जाति के नाम पर तो हर आदमी उसका अपने-अपने लाभ के अनुसार इस्तेमाल करेगा और गाजीपुर के लोगों को बेहतर पता है आप जनता का क्या भला करोगे जब आपके सांसद और विधायक जेल में रहेंगे तो क्या विकास के काम करेंगे और जो लोग ऐसे लोगों को वोट देते हैं, वो लोग अपने मुंह पर जूता खुद मारते हैं। जो लोग गुंडे माफिया बलात्कारी को वोट देते हैं वह अपने वोट की इज्जत को खराब करते हैं और अपनी भी इज्जत खराब करते हैं।

यमुना के कायाकल्प को लेकर आप सरकार और एलजी में जंग

यमुना में प्रदूषण को रोकने के उपायों को लेकर दोनों में लगी होड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले एक साल में यमुना में शाहदरा नाले पर बीओडी का स्तर 40 जबकि आईएसबीटी पर 31 फीसदी की कमी का दावा किया गया है। उधर, दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दावा किया है कि यमुना में प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) लगातार जमीनी मुद्दों पर काम कर रहा है। नवंबर 2021 में 6 सूत्रीय कार्रवाई भी पहले ही साझा करने का दावा करते हुए श्रेय लेने की कोशिश का आरोप लगाया है।

उधर, समिति की बैठक में बताया गया कि एलजी की निगरानी में गाद निकालने और नाले की सफाई से यमुना और नजफगढ़ ड्रेन के पानी की गुणवत्ता में लगातार सुधार हुआ है। एलजी ने यमुना के कायाकल्प के लिए किए प्रयासों पर संतोष जताते हुए कहा आपसी तालमेल बनाने की बात दोहराई। निर्धारित लक्ष्यों के साथ समिति ने 8 विशिष्ट कार्य क्षेत्रों के तहत यमुना के कायाकल्प की निगरानी कर रहा है।

इसके तहत सीवेज का 100 प्रतिशत ट्रीटमेंट, सभी नालों की ट्रैपिंग, अनधिकृत कॉलोनियों और जेजे क्लस्टर में सीवरेज नेटवर्क का निर्माण, औद्योगिक प्रदूषण प्रबंधन, सेप्टेज प्रबंधन, यमुना बाढ़ क्षेत्र का जीर्णोद्धार, उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग औ नजफगढ़ झील की पर्यावरण प्रबंधन योजना शामिल हैं।

तय वक्त में काम पूरा करें अधिकारी: उपराज्यपाल

उच्च स्तरीय समिति की बैठक में एलजी ने अधिकारियों को आगाह किया कि यमुना कायाकल्प से जुड़े कार्य तयशुदा वक्त के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। इसके लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। बैठक में बताया गया कि नजफगढ़ नाले की सफाई का काम एलजी की निगरानी में गठित समिति के बाद शुरू कर दिया गया। इससे नाले और यमुना के पानी की गुणवत्ता में सुधार आया है। पिछले एक साल में नाले और नदी के पानी में बीओडी के स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा गया।

सरकार के कामों का श्रेय लेने की कोशिश : सौरभ

भारद्वाज ने उच्च स्तरीय समिति की बैठक पर निशाना साधते हुए कहा कि यमुना के कायाकल्प के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से किए गए कामों का श्रेय लेने की लगातार कोशिश की जा रही है। हर कोई जानता है कि एलजी के पास दिल्ली जल बोर्ड और आईएफसी की किसी भी परियोजना को मंजूरी देने का कोई वित्तीय अधिकार नहीं है। भारद्वाज ने सवाल उठाया कि क्या एलजी साहब कोई नया काम दिखा सकते हैं जो उन्होंने किया हो या 6 एक्शन पॉइंट से परे हो।

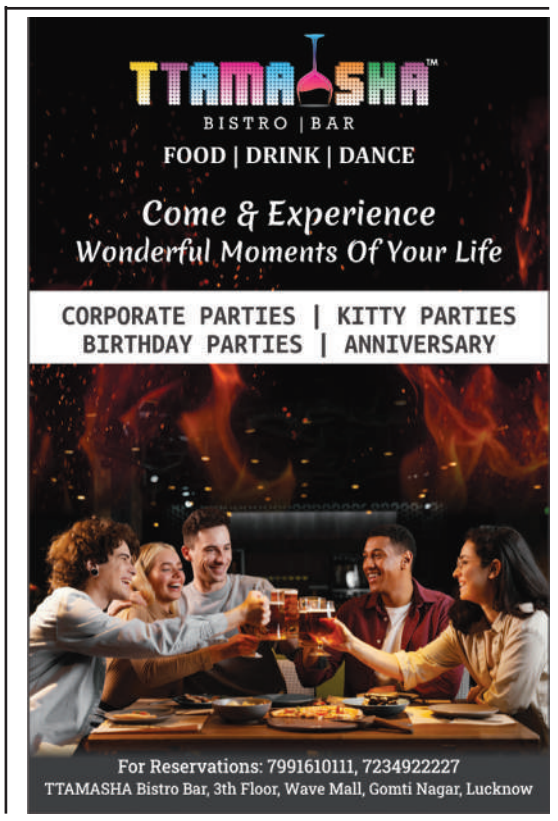

पंद्रह सालों से ज्यादा समय से लखनऊ में जमे अशोक सिंह पर नहीं चलता कोई कानून

नियम कायदे से ऊपर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अपर नगर आयुक्त के कमरे पर जमाये हैं कब्जा

» खुद बैठने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं अपर नगर आयुक्त अनूप बाजपेई

□□□ मो. शारिक

लखनऊ। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह लगातार विवादों में बने हुए हैं। अशोक सिंह के लिए सभी नियम कायदे भी कोई मायने नहीं रखते हैं। वो जो चाहते हैं, करते हैं। यही वजह है कि वो जोनल और जोन 3 के जोनल भी रह चुके हैं। आलम तो ये है कि अशोक सिंह कई सालों से अपर नगर आयुक्त का कमरा तक कब्जाए हुए हैं। जबकि खुद अपर नगर आयुक्त के पद पर तैनात हुए अनूप बाजपेई बैठने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं। क्योंकि उनका खुद का कोई मुकम्मल ठिकाना ही नहीं रहा है।

इतना ही नहीं अशोक सिंह ने अपनी सेवाकाल के अधिकांश वर्ष नगर निगम लखनऊ में ही बिता दिए। ये इनके प्रभाव का ही असर है कि इनका लखनऊ से इतर कहीं ट्रांसफर भी नहीं किया जाता है। जबकि खुद नगर निगम कर्मचारियों के ट्रांसफर में बड़े खेल करते हैं और अपने चहीतों को मनचाही जगहों पे भेज देते हैं। अशोक सिंह के ये ही लाडले कई वर्षों से नगर निगम के सभी जोनो को चूना लगा रहे हैं। अशोक सिंह एक लंबे समय से पूरे विभाग को दीमक की तरह कुतर रहे हैं, लेकिन उनके लिए कोई नियम कायदे मायने नहीं रखते हैं।

अपने लाडलों को लाभ के पदों पर बिठाकर लगा रहे निगम को चूना

शासन में अपनी पहुंच के चलते कई नगर निगमों के बदल जाने के बावजूद अशोक सिंह अपनी जगह से नहीं हिलते हैं। वहीं अपने करीबियों को फायदे के पदों पर बिठाकर उनसे लाभ कमा रहे हैं। अपने करीबी पंकज अवस्थी को प्रचार का काम थमा कर होर्डिंग और यूनीपोल में भी बड़ा घोटाला कर रहे हैं। अशोक सिंह की साठ गांठ के चलते ही कई बड़ी एजेंसियों के बकाया का भी पता नहीं चल पाता है। इकाना स्टेडियम का योनिपोल गिरने के बाद बड़ी-बड़ी एजेंसियों की पोल खुलती नजर आ रही है। ऐसी न जाने और कितनी कंपनियां हैं, जो अशोक सिंह और पंकज अवस्थी की सांठ-गांठ से नगर निगम को चुना लगा रही हैं। इतना ही नहीं ऐसे भ्रष्ट कर्मचारी टैक्स वसूली में भी सालों से घोटाला कर रहे हैं और ट्रांसफर व पोस्टिंग में भी बड़ा खेला कर रहे हैं। कर्मचारियों और जोनल में जिसको जहां मन करता है, वहां उसको उस जोन में बैठा देते हैं। इतना ही नगर निगम में वर्षों से जमे अशोक सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति को भी दागदार बना रहे हैं।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

तीन वर्षों में ट्रांसफर का है नियम

एक ओर अशोक सिंह सालों से नगर निगम में पैर जमाए हुए हैं, तो वहीं दूसरी ओर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के स्थानांतरण की नीति निर्गत की है। इस नीति के तहत जो अधिकारी अपने सेवाकाल में सम्बंधित जनपद में कुल 3 वर्ष पूरे कर चुके हों, उनको उक्त जनपदों में स्थानांतरित कर दिया जाए। वहीं एक यह भी आदेश जारी क्या गया है कि जो 7 वर्ष पूर्ण कर चुके हों उनको भी उक्त मंडल से स्थानांतरण हेतु उक्त निर्धारित अवधि में नहीं गिना जाएगा। मंडलीय कार्यालयों में तैनाती की अधिकतम अवधि 3 वर्ष होगी। इस हेतु सर्वाधिक समय से कार्यरत अधिकारियों के स्थानान्तरण प्राथमिकता के आधार पे किए जाएंगे। लेकिन सवाल ये ही है जब ये नीति लागू है तो फिर अशोक सिंह कैसे अब तक इस नीति के दायरे से बचे हुए हैं? आखिर क्या वजह है कि अशोक सिंह पिछले कई वर्षों से यहीं पर जमे हुए हैं और उन पर यह नीति लागू नहीं की जा रही है।

अपर नगर आयुक्त ने की महिला पत्रकार से अभद्रता

नगर निगम में कल एक नया मामला सामने आया। जहां एक महिला पत्रकार के सवाल पर अपर नगर आयुक्त अभय पांडेय भड़क गए और महिला पत्रकार से अभद्रता करने लगे। दरअसल, महिला पत्रकार एक पीड़ित की जमीन मामले को लेकर अभय पांडेय से बात करने गई थी। लेकिन महिला के सवाल करते ही अपर नगर आयुक्त अभय पांडेय अभद्रता पर उतर आए और अपने कर्मचारियों से कहकर महिला पत्रकार को धक्के मारकर कमरे से बाहर निकलवा दिया। मौके पर अधिकारी भी मौजूद थे। इस घटना के बाद नगर निगम मुख्यालय पे काफी ज्यादा तादाद में लोग एकत्र हो गए और अपर नगर आयुक्त अभय पांडेय को हटाए जाने की मांग करने लगे और धरने पर बैठ गए। काफी देर तक ये हंगामा नगर निगम में नगर आयुक्त के कमरे के बाहर चलता रहा लेकिन अभय पांडेय अपना कमरा बंद कर भाग गए। काफी मशक्कत के बाद नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने लोगों को समझाया और उनका ज्ञापन लेते हुए इस बारे में आला अधिकारियों से बात कर मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद लोगों ने धरने को खत्म कर दिया।

पीएम मोदी के खरगे के पत्र का जवाब न देने पर भाजपा-कांग्रेस में जुबानी जंग

» चिदंबरम ने कहा- भाजपा सांसदों के दिए तर्क, पार्टी की पूर्ण असहिष्णुता का उदाहरण

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर में हुए भीषण रेल हादसे के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र अब भाजपा और कांग्रेस में जुबानी जंग लगातार जारी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पांच जून को पीएम मोदी को पत्र लिखकर इस हादसे से संबंधित कई सवाल उठाए थे। लेकिन खरगे के इस पत्र का जवाब प्रधानमंत्री ने न देकर भाजपा के कुछ सांसदों ने दिया था। इन सांसदों ने तर्क दिया था कि खरगे का पत्र बयानबाजी ज्यादा और तथ्यों पर कम आधारित है। अब इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सांसदों द्वारा खरगे के पत्र पर दिए गए तर्क भगवा पार्टी की पूर्ण असहिष्णुता का एक और उदाहरण है।

पीएम ने जवाब देने के लायक नहीं समझा: चिदंबरम

चिंदबरम ने पत्र लिखने वाले चारों भाजपा सांसदों पर निशाना साधते हुए ओडिशा रेल हादसे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को लिखे गए एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसदों का पत्र तथ्यों पर सतही और तर्कों पर खोखला है। भाजपा सांसदों की प्रतिक्रिया किसी भी आलोचना के लिए भाजपा की पूर्ण असहिष्णुता का एक और उदाहरण है। चिदंबरम ने कहा कि खरगे राज्यसभा में विपक्ष के नेता होने के नाते प्रधानमंत्री को पत्र लिख सकते हैं। लोकतंत्र में लोग अपनी बात पीएम मोदी के सामने रख सकते हैं और उनसे उनके जवाब की उम्मीद करते हैं। लेकिन हमारा लोकतंत्र ऐसा है कि पीएम इसे जवाब देने लायक नहीं समझते। उनकी बजाय, भाजपा के चार सांसद खुद जवाब देने की जिम्मेदारी लेते हैं, जो तथ्यों पर सतही और तर्कों पर खोखला है। चिंदबरम ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में सौंपी गई दो कैग रिपोर्ट खरगे के तर्क को पूरी तरह सही साबित करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में दावा किया था कि 9 फरवरी 2023 को मैसूर में हुए हादसे के बाद साउथ वेस्ट जोनल रेलवे के संचालन अधिकारी ने रेलवे के सिग्नल सिस्टम को दुरुस्त करने की जरूरत बताई थी, लेकिन उस चेतावनी को रेल मंत्रालय ने दरकिनार कर दिया। इसी को लेकर चिंदबरम ने कहा कि मुझे कोई शक नहीं है कि ये पत्र भी धूल खा रहा होगा। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा सांसद हमें बताएंगे कि इस चेतावनी पर क्या कार्रवाई की गई थी?

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।